दैनिक
लोकजीवन
भीलवाड़ा एवं जयपुर से प्रकाशित राज्यस्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी
■ रजि. नं. 27201/76 ■ मूल्य 2 रूपया ■ पोस्टल रजि. नं. भीलवाड़ा/103/2024-2026
■ वर्ष 51 ■ अंक 268 ■ भीलवाड़ा ■ मंगलवार 10 नवम्बर 2026 ■ कार्तिक, शुक्ल पक्ष-द्वितीया, संवत् 2083 ■ कुल पृष्ठ 4

लोकजीवन
के वाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR को स्केन करें

आग का तांडव: शहर के गोदामों से लेकर गांवों में बाड़े स्वाहा, 20 ट्रॉली चारा जला





एक साथ हुई घटनाओं से दमकलें कम पड़ीं

गांवों में किसानों को हुआ लाखों का नुकसान

भीलवाड़ा। दीपावली के पावन पर्व और उसके बाद के दिनों में भीलवाड़ा शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक आगजनी की एक के बाद एक कई दिल दहला देने वाली घटनाओं ने पूरे प्रशासनिक अमले और आम जनता को हिला कर रख दिया है। शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों से लेकर गांवों तक भड़की आग की लपटों ने लाखों-करोड़ों की संपत्ति और किसानों की मेहनत को कुछ ही घंटों में राख के ढेर में तब्दील कर दिया। एक साथ कई जगहों पर आग लगने के कारण दमकल विभाग के संसाधन कम पड़ गए, जिससे आपदा प्रबंधन की पोल खुलती नजर आई। गनीमत यह रही कि इन डरावनी घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन इसने सुरक्षा के पुख्ता दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं।



बागोर में कॉम्प्लेक्स और तेलीखेड़ा में टेंट गोदाम राख

त्योहार की खुशियों के बीच बागोड़ कस्बे में मुख्य बाजार स्थित दीपेश देवपुरा कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर रविवार दोपहर शॉर्ट सर्किट से अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने गोदाम में रखे गद्दे, फर्नीचर, फ्रिज, सोफा और प्लाईवुड सहित करीब 10 लाख रुपये के सामान को अपनी चपेट में ले लिया। उधर, सदर थाना क्षेत्र के तेलीखेड़ा गांव में सुरेश तेली के टेंट हाउस गोदाम में भी भीषण आग लगने से टेंट का सामान, कुर्सियां, टेबल और एक बाइक जलकर स्वाहा हो गई।

कबाड़ गोदाम कुछ ही घंटों बाद दोबारा लगी आग

सोमवार रात को शहर के 100 फीट रोड स्थित देवनारायण सर्किल, यश ऑटोमोबाइल्स के पीछे और सांगानेर रोड पर स्थित बीड़ी गोदाम में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इसी प्रकार शारदा चौराहे के पास जय मां ट्रेडर्स के प्लास्टिक कबाड़ गोदाम में सोमवार रात पटाखों से लगी आग पर मंगलवार सुबह काबू पाया गया था, लेकिन कुछ ही घंटों बाद वहां दोबारा आग सुलग उठी, जिससे दमकल विभाग को फिर मशक्कत करनी पड़ी।

प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल

एक ही समय में शहर से लेकर गांवों तक ताबड़तोड़ आगजनी की घटनाओं ने स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन व्यवस्था की तैयारियों की पोल खोल दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों की दमकलों और टैंकरों के सहारे आग बुझानी पड़ी। फिलहाल, प्रशासन नुकसान के आंकलन और पीड़ित किसानों व व्यापारियों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग पर विचार कर रहा है।

जासोरिया गांव में पशु बाड़े में भीषण आग, 20 ट्रॉली चारा खाक

शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी आगजनी का खौफनाक रूप देखने को मिला। रायला थाना क्षेत्र के जासोरिया गांव में सोमवार देर शाम को एक पशु बाड़े में अचानक भीषण आग लग गई। स्थानीय निवासी मुकेश गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आग गांव के श्रवण पुत्र सोजी राम गुर्जर के बाड़े में लगी। देर शाम बाड़े से अचानक धुएं के ऊंचे गुबार और आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत नजदीकी औद्योगिक इकाइयों और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही संगम इंडिया लिमिटेड सरेरी से एक और आगूचा माइंस से एक दमकल गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची। इसके साथ ही ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए पानी के निजी टैंकरों की भी मदद ली। दमकल कर्मियों और ग्रामीणों ने करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। इस हादसे में बाड़े में रखा करीब 20 ट्रॉली पशु चारा (कड़बी) जलकर पूरी तरह राख हो गया, जिससे पीड़ित किसान के सामने मवेशियों के चारे-पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे मवेशी सुरक्षित बच गए।

अपराधियों के हौसले बुलंद!

खजूरी अरिहंत पेट्रोल पंप कर्मचारियो पर बदमाशों का जानलेवा हमला

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात, जान बचाने के लिए 10 फीट ऊंची दीवार कूदकर भागा कर्मचारी; तीन घायलों का अस्पतालों में उपचार जारी







जहाजपुर। शक्करगढ़ थाना क्षेत्र में अपराधियों के बेखौफ होने का मामला सामने आया है। खजूरी स्थित अरिहंत पेट्रोल पंप पर बीती रात एक दर्जन से अधिक बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ की तथा पंप कर्मचारियों के साथ बेरहमी से मारपीट की। पूरी घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिससे बदमाशों की करतूत सामने आई है। वारदात के दौरान बदमाशों ने पंप कर्मियों को निशाना बनाते हुए इतनी बेरहमी से हमला किया कि एक कर्मचारी के कंधे की हड्डी टूट गई। पंप कर्मचारी मुकेश रेगर का देवली अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं कर्मचारी धर्मराज मीणा तथा बचाव करने आए एक युवक शोभाराम मीणा का भीलवाड़ा अस्पताल में इलाज चल रहा है। हमले के दौरान जान बचाने के लिए पंप कर्मचारी मुकेश रेगर ने करीब 10 फीट ऊंची दीवार कूदकर भागने का प्रयास किया। इसके बावजूद मारपीट में उनके कंधे की हड्डी टूट गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। खजूरी कस्बे में पूर्व में भी हुई मारपीट की वारदातों में पुलिस द्वारा कठोर कार्रवाई नहीं की जाने से अपराधियों के लगातार हौसले बुलंद होते जा रहे है। शांतिपूर्ण कस्बे में अपराधियों द्वारा फैलाई जा रही अराजकता से लोगो में दहशत और भय का माहौल है। कस्बे के जागरूक लोगों ने पुलिस प्रशासन से अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए आमजन को शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करने की मांग की है।

सीसीटीवी में कैद तांडव, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

पेट्रोल पंप जैसी सार्वजनिक जगह पर एक दर्जन से अधिक बदमाशों द्वारा खुलेआम लाठियों से तोड़फोड़ और कर्मचारियों पर हमला किए जाने की घटना ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर बदमाशों के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए कि रात के समय पेट्रोल पंप पर पहुंचकर इस तरह तांडव मचा दिया? अब सवाल यह है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर कब तक गिरफ्तार करती है और पेट्रोल पंप कर्मचारियों को न्याय कब मिलता है।

इनका कहना है :-

अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई है, सीसी टीवी कैमरे फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश जारी है। अभी तक मामले में कोई नाम रिपोर्ट नहीं आई है, भीलवाड़ा अस्पताल में उपचाररत घायलों के बयान लेने पुलिस भीलवाड़ा गई है

पूरणमल मीणा, थाना प्रभारी शक्करगढ़

WorthyTech SOLUTIONS
DIWALI Offer
GROW ONLINE THIS FESTIVE SEASON
FREE Google Business Profile Setup with any website
Book before 11 November
Websites · E-commerce · Mobile Apps · Digital Marketing
CALL / WHATSAPP +91 99823 76430
www.worthytechsolutions.com
worthytechsolutions@gmail.com
G-3, G-4, G-5, Ganpati Complex, Pur Road, Bhilwara - 311001

सी. के. एस. हॉस्पिटल्स, जयपुर और नाहर हेल्थ केयर सेंटर, भीलवाड़ा द्वारा
नियमित परामर्श सेवाएं
आपके शहर भीलवाड़ा में
डॉ. राहुल नाहर — ENT & Head Neck Surgery, MBBS, MS ENT & Head Neck Surgeon Sleep Apnea and Snoring Specialist
डॉ. सुश्रुत कालरा — Plastic, Hand & Cosmetic Surgeon, MBBS, MS (General Surgery), MCh (Plastic & ReconstructiveSurgery), Fellowship in Hand Surgery and Breast Reconstruction (Chelmsford, UK), Fellowship in Cosmetic Surgery (Cadogan Clinic, UK), Ex faculty SMS hospital jaipur.
डॉ. अरुण आर्य खोराण — Medical Gastroenterologist, MBBS, MD (General Medicine), Dr. NB (Medical Gastroenterology)
समय : सुबह 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
स्थानः- नाहर स्क्वायर सेवा सदन रोड, एपेक्स डायग्नोस्टिक सेंटर सेकंड फ्लोर, सेवा सदन स्कूल के पास, भीलवाड़ा, राजस्थान - 311001
प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को
Book An Appointment : 94622 39072, 9784024973
RHGS, CGHS, ECHS, ESIC, Indian Railway, Chiranjeevi & All TPS'S
CKSHospitals · CKSHospitals · www.ckshospitals.com
CKS Hospitals98A, Sikar Rd, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur

दीपोत्सव
की क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
दुर्गालाल कराड़ सरपंच उमाजी का खेड़ा
गिरधारी लाल शर्मा उप सरपंच उमाजी का खेड़ा
मांगीलाल कराड़ समाजसेवी
एवं समस्त वार्ड पंच ग्राम पंचायत - उमाजी का खेड़ा
पंचायत समिति बिजौलियां, जिला-भीलवाड़ा

अन्नकूट महोत्सव की धूम: पेच के बालाजी पर 21 हजार किलो सब्जियों का बन रहा महाप्रसाद









भीलवाड़ा। दीपावली के पावन पर्व के बाद धर्मनगरी में अब अन्नकूट महोत्सव की रौनक छा गई है। शहर के प्रमुख बालाजी और हनुमान मंदिरों में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ अन्नकूट महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर के पेच के बालाजी मंदिर से लेकर संकट मोचन हनुमान मंदिर और रेलवे स्टेशन स्थित हठीले हनुमान मंदिर तक अन्नकूट की जोरदार तैयारियां चल रही हैं। इस बार पेच के बालाजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन विशाल स्तर पर किया जा रहा है, जहां 21 हजार किलो सब्जियों से महाप्रसाद तैयार किया जा रहा है। बजरंग मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष अनिल कुमार मानसिंहका एवं पंडित आशुतोष शर्मा ने बताया कि प्रसाद पकाने के लिए 100 हलवाइयों और 50 सेवाधारियों की विशेष टीम लगाई गई है, तथा गोबर व पीली मिट्टी से पारंपरिक भट्टियाँ तैयार की गई हैं। मंदिर के महंत आशुतोष ने बताया कि रात 12.15 बजे भट्टी पूजन के साथ सब्जियां काटने का कार्य शुरू हुआ। श्रीनाथजी नाथद्वारा की परंपरा के अनुसार श्री हनुमानजी महाराज के समक्ष चावल से गिरराज स्वरूप का भोग धराया जाएगा, जिसके लिए 41 कट्टे चावल, 31 कट्टे चवले, 10 टिन देशी घी और 40 टिन तेल का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा करीब 500 किलो मिठाई बाहर से तैयार होकर आई है। शाम 6.15 बजे महाआरती के बाद भगवान को भोग लगाकर श्रद्धालुओं में महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

संकट मोचन एवं हठीले हनुमान मंदिर में भी प्रसाद निर्माण

मुख्य डाकघर के निकट स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर म महंत बाबुगिरी के सानिध्य में तथा रेलवे स्टेशन स्थित हठीले हनुमान मंदिर में पुजारी बालकृष्ण शर्मा के मार्गदर्शन में विशेष अनुष्ठान और वसुधा चढ़ाकर भोग लगाने की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। पांसल रोड स्थित हनुमान मंदिर में भी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ अन्नकूट का आयोजन संपन्न हुआ।

अन्नकूट
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
ज्योतिष सम्बन्धित सभी समस्याओं का तुरंत निवारण सशुल्क ऑनलाईन किया जाता है।
विक्रम सिंह सोनी
राजस्थान के जाने-माने ज्योतिषाचार्य
मिलने के लिए आप 2 से 6 प्रतिदिन फोन करके पधारें।
9509837485, 6350542648
डांगी फैक्ट्री के पीछे, सांवरिया मंदिर के पास, आजाद नगर, भीलवाड़ा

Rideloo
Safar ho ya ambulance, sab ek app se
भीलवाड़ा की अपनी Ride Booking App
शहर में कहीं जाना हो, ट्रैफिक से परेशान या घर पे गाड़ी नहीं तो
आज अभी BOOK करें!
AUTO · BIKE · CAB · AMBULANCE
DRIVERS / RIDERS के लिए
कमाई का सुनहरा अवसर
Rideloo Partner App डाउनलोड करें
0% COMMISSION
96943 97383 | 92166 69115

राजस्थान का नं. 1 कोरियर सर्विस
DTDC Delivering Value
(M.) 94133-54317
PUSHPAK COURIER
सम्पूर्ण भारत में डाक एवं पार्सल की उत्तम सुविधा उपलब्ध हैं।
दुकान नं. 10, सदर बाजार, स्टेशन रोड, लक्ष्मण जनरल स्टोर के सामने, (मिर्ची वाले काबराजी की दुकान मेन मार्केट), भीलवाड़ा

DR. APURVA'S
COSMO DENT CARE
SKIN | HAIR | LASER | DENTAL
अब भीलवाड़ा में नियमित सेवाएं
डॉ. प्रियांश जैन
MBBS, M.D. (SKIN & VD) (BHU VARANASI)
पूर्व चिकित्सक अरिहन्त अस्पताल
रजि. हेतु सम्पर्क - 90247-23534
रविवार अवकाश
चर्म रोग, एलर्जी रोग एवं यौन रोग विषेशज्ञ
समय - प्रातः 10 AM से 3 PM, पता- ग्राउण्ड फ्लोर, सुराणा टॉवर, रामस्नेही अस्पताल के सामने, भीलवाड़ा
समय - सायं: 5 PM से 8PM
पता- पुर रोड़, पांसल चौराहा, भीलवाड़ा
डॉ. अपूर्वा धोका (जैन)
BDS, MDS ENDODONTIST (INDORE)
(Root Canal Specialist)
रजि. हेतु सम्पर्क - 76655-91929
अब अहमदाबाद जैसी सुविधाएं भीलवाड़ा जिले में पहली बार
रूट केनाल ट्रीटमेन्ट (RCT) के लिए बार-बार सिटिंग की जरूरत नहीं, अब एक सिटिंग में ही पाएं एडवांस टेक्नोलॉजी द्वारा सर्वोतम दर्द रहित उपचार
Expert in • Single Sitting Rotary RCT
• अत्याधुनिक मशीन द्वारा दाँतों की नसों का दर्द रहित इलाज • फिक्स दाँत लगाना • लेजर द्वारा दाँतों में मसाला भरना • इम्प्लान्ट • बच्चों के दाँतों का इलाज • सिस्ट एवं ट्यूमर का ऑपरेशन • दाँतों की सफाई एवं पॉलिशिंग • पायरिया का इलाज
समय - प्रातः 10 AM से 7 PM रविवार - 10 AM से 2 PM
पता- ग्राउण्ड फ्लोर, सुराणा टॉवर, रामस्नेही अस्पताल के सामने, भीलवाड़ा

न्यूज इन बाक्स

रेलवे ट्रैक पर मिले क्षत-विक्षत शव की हुई शिनाख्त

भीलवाड़ा। दीपावली की जगमगाहट के बीच एक हृदयविदारक घटना सामने आई। रेलवे ट्रैक पर मिले एक अज्ञात शव की जब शिनाख्त हुई, तो वह किसी और का नहीं बल्कि लापता चल रहे 62 वर्षीय बुजुर्ग छोटूलाल कसारा का निकला। एक बेटे को उसके पिता की तलाश का दर्दनाक अंत करवा दिया। दरअसल, शनिवार सुबह अजमेर रोड पर बायोस्कोप के सामने रेलवे ट्रैक पर एक बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। सूचना पर सुभाषनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पहचान मूल रूप से नाड़ी मोहल्ला, भीलवाड़ा निवासी और वर्तमान में निम्बाहेड़ा के वैशालानगर में रह रहे 62 वर्षीय छोटूलाल (पुत्र सुगनचंद्र कसारा) के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि वे पैरालाइसिस से ग्रसित थे और उनकी सोचने-समझने की क्षमता कमजोर थी। वे एक दिन पहले घर से घूमने निकले थे और वापस नहीं लौटे। चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा होते हुए वे अजमेर तिराहे तक पहुंचे थे, जहां ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। मयंक जब जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचा, तो शव देखकर उसके होश उड़ गए। परिजनों के आग्रह पर पुलिस ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव उन्हें सौंप दिया। एक तरफ जहां पूरा शहर दीपावली के दीप जला रहा था, वहीं एक परिवार में पिता की अकमस्मात मौत से खुशियां मातम में बदल गई।

श्री नवग्रह आश्रम में स्नेह मिलन समारोह आयोजित



रायला। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में क्षेत्र के श्री नवग्रह आश्रम में एक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न सरपंच पद के उम्मीदवारों, भावी प्रत्याशियों, वार्ड पंचों और ग्रामीणों का साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सभी आगंतुकों को मिठाई खिलाकर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं, जिससे समारोह में चारों ओर आपसी भाईचारे और आत्मीयता का माहौल नजर आया। समारोह के मुख्य आकर्षण श्री नवग्रह आश्रम के संस्थापक हंसराज चौधरी रहे, जिन्होंने सभी मेहमानों का स्वागत करते हुए उपस्थित लोगों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी को मिलकर ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना चाहिए ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंच सके। चौधरी ने ऐसे जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही, जिन्हें आने वाली पीढ़ियां भी याद रखें। इस आयोजन में पूर्व डिप्टी कमिश्नर मनफूल चौधरी और गौशाला गोदर्शन के संस्थापक महिपाल सिंह चौधरी ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम में शिव सिंह पंवार, महावीर गुर्जर, महेंद्र जाट और सांवर लाल जाट सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

गौमाताओं को खिलाई 251 किलो लापसी



भीलवाड़ा। पीथास निवासी विष्णु सोनी ने अपना जन्मदिन सामाजिक सरोकार और जीवदया का संदेश देते हुए बेहद अनूठे अंदाज में मनाया। इस विशेष अवसर पर उन्होंने अपने परिवार के साथ मालीखेड़ा स्थित श्री देवनारायण गौशाला सेवा संस्थान पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और गौमाताओं को 251 किलो लापसी का आहार कराया। जन्मदिन की पार्टियों पर फिजूलखर्च करने के बजाय गौसेवा का यह पुनीत मार्ग चुनकर उन्होंने समाज के सामने संवेदनशीलता और मानवता का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। जन्मदिन को यादगार और सार्थक बनाने के उद्देश्य से पीथास निवासी विष्णु सोनी ने सेवा और समर्पण का अनुपम संदेश दिया है। उन्होंने अपने जन्मदिन के पावन अवसर पर मालीखेड़ा पीथास स्थित श्री देवनारायण गौशाला सेवा संस्थान में पहुंचकर सपरिवार गौमाताओं की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने गौवंश को 251 किलो लापसी का भोग लगाया।

घोसी ईगल्स ने जीता खिताब



भीलवाड़ा। घोसी समाज की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित घोसी प्रीमियर लीग सीजन-2 का समापन 8 एवं 9 नवंबर 2026 को सफलतापूर्वक हुआ। दो दिनों तक चले इस रोमांचक टूर्नामेंट में भीलवाड़ा के अलावा जोधपुर, अजमेर, मंदसौर और रतलाम जैसे विभिन्न शहरों से आए खिलाडियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टूर्नामेंट के आयोजक अरमान घोसी और शाहबाज घोसी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल के माध्यम से एक मंच पर लाना और उनकी प्रतिभा को निखारना है। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में घोसी ईगल्स की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया और सीजन-2 की विजेता बनी। आयोजकों ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी खिलाड़ियों, टीम मालिकों, प्रायोजकों और समाज के गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

गोवर्धन पूजा कर की खुशहाली की कामना घर-घर गूंजे श्रीकृष्ण के जयकारे

गोबर से बनाए गोवर्धन पर्वत औरा कृष्ण प्रतिमा

अन्नकूट का भोग लगाकर गायों को खिलाया प्रसाद

भीलवाड़ा। शहर सहित जिलेभर में गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। दीपावली के बाद मनाए जाने वाले इस पर्व पर सुबह से ही घरों में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। महिलाओं ने घरों के बाहर गाय के गोबर से भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की प्रतिमा बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और गोवंश की रक्षा एवं मंगलकामना के लिए भगवान गोवर्धन की आराधना की गई। इस दौरान महिलाओं ने घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद भी लिया।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक रीति से चावल, चवला सहित विभिन्न व्यंजनों का अन्नकूट तैयार किया। भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन महाराज को अन्नकूट का भोग लगाया गया। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया तथा गायों और गोवंश को अन्नकूट खिलाकर उनकी पूजा की गई। महिलाओं ने गायों का श्रृंगार कर तिलक लगाया और आरती उतारी। वहीं बैलों की भी पूजा कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। मान्यता है कि गोवर्धन पूजा से घर-परिवार में सुख-समृद्धि आती है और गोवंश की सेवा से पुण्य की प्राप्ति होती है। शहर के बड़ी हरणी क्षेत्र में गोवर्धन पूजा कर रहीं शिवानी ने बताया कि गोवर्धन पूजा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण की इंद्र के अहंकार को समाप्त करने और गोपालकों की रक्षा करने की लीला से जुड़ा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इंद्र के अहंकार का मर्दन करने के लिए अपनी कनिष्ठिका अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और गोवंश को मूसलाधार बारिश से बचाया था। तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा चली आ रही है। वहीं सुशीला ने बताया कि इस दिन घरों में अन्नकूट बनाकर भगवान को भोग लगाने के साथ गायों को भी खिलाया जाता है। यह पर्व प्रकृति, कृषि और गोवंश के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा के माध्यम से परिवार की खुशहाली के साथ पशुधन की समृद्धि की कामना की जाती है। श्रुति ने बताया कि गोवर्धन पूजा पर मंदिरों में भी विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं। नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर, सांवरियाजी और चारभुजानाथ मंदिर सहित प्रदेश के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है। मंदिरों में भगवान को छप्पन भोग एवं विभिन्न पकवानों का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाता है। इस प्रकार गोवर्धन पूजा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के प्रति आस्था, गोसेवा, प्रकृति संरक्षण और पारिवारिक खुशहाली का संदेश देते हुए श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।



दीपों की जगमगाहट में नहाई वस्त्रनगरी

बाजारों में उमड़ी भीड़, रेलवे स्टेशन चौराहे पर हुई मां लक्ष्मी की महाआरती

भीलवाड़ा। रोशनी, उल्लास और आस्था के पर्व दीपावली पर वस्त्र नगरी भीलवाड़ा का नजारा देखते ही बन रहा था। घरों से लेकर बाजारों, चौराहों, मंदिरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक हर तरफ रंग-बिरंगी रोशनी की छटा बिखरी नजर आई, जिससे पूरा शहर दीपोत्सव के रंग में सराबोर दिखा।

दीपावली की शाम ढलते ही शहर की रौनक अपने चरम पर पहुंच गई। मकानों की छतों, बालकनी और मुख्य द्वारों पर दीपकों की कतारें जगमगाने लगीं। भीमगंज थाना क्षेत्र के महारानी कॉम्प्लेक्स, गोल प्याऊ चौराहा, नेताजी सुभाष मार्केट, मशीनरी मार्केट और बालाजी मार्केट को विशेष रूप से सजाया गया था। कई जगहों पर दीपक के आकार की आकर्षक लाइटिंग और भव्य स्वागत द्वार बनाए गए थे, जहां युवाओं और बच्चों ने सेल्फी ली। रात 8.30 बजे नगर निगम की ओर से रेलवे स्टेशन चौराहे पर मां लक्ष्मी की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इसमें सांसद दामोदर अग्रवाल, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, विधायक अशोक कोठारी और महापौर जसवंत कंवर सहित बड़ी संख्या में शहरवासी, जनप्रतिनिधि व विभिन्न





राजनीतिक दलों के नेता मौजूद रहे। महाआरती के साथ आयोजित भजन संध्या में कलाकारों की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालुओं ने जमकर जयकारे लगाए। इसके बाद घरों और प्रतिष्ठानों में विधि-विधान से महालक्ष्मी, भगवान गणेश, माता सरस्वती और कुबेर का पूजन किया गया। पूजन के बाद बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने आतिशबाजी का आनंद लिया और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर शुभकामनाएं दीं। दीपावली का यह पर्व भीलवाड़ा में आस्था, परंपरा, भाईचारे और उल्लास का अनूठा संगम लेकर आया। सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच शहरवासियों ने हर्षोल्लास के साथ इस महापर्व को मनाया, जिसने आपसी सौहार्द की मिसाल पेश की।



तालाब में डूबे मवेशी चराने गए युवक का शव बरामद, 6 घंटे के चला सघन सर्च ऑपरेशन



भीलवाड़ा। फुलियाकलां थाना क्षेत्र के धनोप गांव के खासला तालाब में मवेशी चराने गए एक 34 वर्षीय युवक की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। भीलवाड़ा और अजमेर से आई टीमों द्वारा करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत और संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तालाब के गहरे पानी से शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि धनोप निवासी बाबूलाल लौहार पुत्र गोपी लौहार 34 सोमवार को रोजाना की तरह मवेशी चराने के लिए खासला तालाब के आसपास गया हुआ था। दोपहर के वक्त तालाब की ओर से बचाओ-बचाओ की आवाजें सुनाई देने पर आसपास मौजूद ग्रामीण और नवनिर्वाचित सरपंच तुरंत मौके पर पहुँचे। तालाब किनारे युवक का सामान मिलने और परिस्थितियों को भांपते हुए उसके पानी में डूबने की आशंका जताई गई। घटना की सूचना मिलते ही फुलियाकलां थाना पुलिस मौके पर पहुँची और ग्रामीणों की मदद से तलाश शुरू की। तहसीलदार रामदेव धाकड़ व थानाधिकारी दिनेश चौधरी भी घटनास्थल पर पहुँचे और सर्च ऑपरेशन की निगरानी करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद भीलवाड़ा और अजमेर से पहुँची SDRF की टीम ने मोर्चा संभालते हुए तालाब में सघन तलाशी अभियान चलाया। लगभग 6 घंटे चले इस रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बाबूलाल लौहार का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इस आकस्मिक और दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे धनोप गाँव में शोक की लहर छा गई है। प्रशासन ने जल स्त्रोतों के पास सावधानी बरतने की अपील की है ताकि इस तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

सोहनगढ़ में आग से चारा खाक होने पर किसानों के आंसू पोंछने आगे आए ग्रामीण, 26 हजार की आर्थिक मदद

भीलवाड़ा। संकट के समय एकजुटता और सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश करते हुए सोहनगढ़ गांव के ग्रामीणों ने पीड़ित किसान भाइयों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। हाल ही में गांव के किसान कालू सिंह चांदावत और मांगू सिंह चांदावत के बाड़े में अचानक आग लग जाने से पशुओं और गौवंश के लिए रखा सारा चारा जलकर खाक हो गया था। इस हादसे के बाद बेजुबान पशुओं के सामने दाने-पानी और चारे का गहरा संकट खड़ा हो गया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव के प्रबुद्धजनों और युवाओं ने पीड़ित परिवार को इस विपत्ति से उबारने की पहल की। रावत राजपूत महासभा के संभाग अध्यक्ष गिरधारी सिंह रावत, नरेंद्र वीर सिंह सिरोदनिया और रिछपाल सिंह के सानिध्य व प्रेरणा से ग्रामीणों ने आपसी सहयोग जुटाने का अभियान शुरू किया।



देखते ही देखते पूरे गांव ने एकजुटता दिखाते हुए जनसहयोग से कुल 26,000 रुपये (छब्बीस हजार रुपये) की आर्थिक सहायता राशि एकत्रित की। यह राशि दोनों पीड़ित किसान भाइयों को सुपुर्द कर दी गई है, ताकि वे समय रहते अपने मवेशियों और गौवंश के लिए चारे-पानी की सुचारू व्यवस्था कर सकें। ग्रामीणों के इस मानवीय कदम की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

इंसानियत और भाईचारे की मिसाल

ग्रामीणों का कहना है कि गांव की पहचान हमेशा से संकट में एक-दूसरे का संबल बनने की रही है। विपदा के समय हर वर्ग और युवा शक्ति ने आगे आकर जो सहयोग दिया, वही समाज की असली पूंजी है। पीड़ित परिवार ने भी इस मुश्किल घड़ी में साथ खड़े रहने के लिए समस्त ग्रामवासियों का आभार जताया है।

भव्यता के साथ मनाया गया भगवान महावीर का निर्वाण कल्याणक, साकार हुई पावापुरी की प्रतिकृति

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पुलकसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में सोमवार को भगवान महावीर का निर्वाण कल्याणक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल परिसर में पावापुरी तीर्थ की एक भव्य और आकर्षक प्रतिकृति सजाई गई, जिसे देखकर ऐसा प्रतीत हुआ मानो श्रद्धालु साक्षात पावापुरी के दर्शन कर रहे हों। मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध झांकी रचनाकार नंदनभाई और उनकी टीम द्वारा तैयार इस प्रतिकृति में विशाल पद्म सरोवर का भी सुंदर निर्माण किया गया था। इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनने के लिए शहरभर से हजारों की संख्या में जैन धर्मावलंबी और श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरा पांडाल खचर्भर कर छोटा पड़ गया।

श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित समारोह में आचार्य पुलकसागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म में जन्म के साथ-साथ निर्वाण भी एक महान महोत्सव होता है। उन्होंने भगवान महावीर के जीवन और उनकी साधना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रभु ने पावा के भयंकर जंगल में एक शिलापट्ट पर बैठकर साधना की थी और दीपावली के दिन ही परम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति की थी। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर के निर्वाण के बाद वहां विशाल पद्म सरोवर की रचना हुई और वह भूमि पावापुरी बन गई। आज नंदनभाई की कड़ी मेहनत से भीलवाड़ा के श्रद्धालुओं को अपने ही शहर में पावापुरी के दर्शन करने, पूजा-अर्चना करने और निर्वाण लाडू चढ़ाने का अभूतपूर्व सौभाग्य प्राप्त



हुआ है।

निर्वाण कल्याणक के इस पावन अवसर पर मुख्य सौधर्म इंद्र के रूप में श्रीमती मंजूदेवी, दिलीप, प्रवीण, नवीन और राहुल चौधरी परिवार ने भगवान महावीर का पूजन किया तथा 24 किलोग्राम का मुख्य निर्वाण लाडू श्रद्धा एवं उल्लास के साथ चढ़ाया। इस दौरान पूरा पांडाल भक्ति के रंगों में सराबोर नजर आया और श्रद्धालु भजनों पर झूमते-थिरकते रहे। इसके अलावा 24 पुण्यार्जक परिवारों ने इंद्र-इंद्राणी बनकर पांच-पांच किलो के 24 अन्य लाडू भी अर्पित किए। समारोह के अंत में हजारों श्रद्धालुओं ने पावापुरी तीर्थ की प्रतिकृति के दर्शन कर लाडू चढ़ाने की होड़ में भाग लिया। आचार्यश्री ने लाडू के गोल स्वरूप को आत्मा की अनंतता का प्रतीक बताते हुए चौधरी परिवार और सभी पुण्यार्जक परिवारों की अनुमोदना की। कार्यक्रम के अंत में आचार्यश्री द्वारा तीन दिनों की विशेष मंत्र साधना के दौरान मध्यरात्रि में अभिमंत्रित की गई विशेष लक्ष्मी पोटली श्रद्धालुओं को प्रदान की गई, जिसे पाने के लिए भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। आचार्यश्री ने घोषणा की कि भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक के साथ ही उनके चातुर्मास का विधिवत विसर्जन (निष्ठापन) हो चुका है। अब आगामी 15 नवंबर को भव्य पिच्छी परिवर्तन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसके उपरांत आचार्यश्री ऐतिहासिक चातुर्मास संपन्न कर जहाजपुर की दिशा में अगला मंगल विहार करेंगे।

श्रीमद् भागवत कथा कल से



भीलवाड़ा। छोटी हरणी स्थित श्री टेकरी के बालाजी काठियाबाबा आश्रम पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में आयोजित इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महोत्सव की शुरुआत मंगलवार सुबह 9:15 बजे दादीधाम से हनुमान टेकरी तक निकलने वाली विशाल कलश शोभायात्रा के साथ होगी, जिसमें सैकड़ों महिलाएं मंगल कलश धारण कर सहभागिता करेंगी। कथा के दौरान प्रतिदिन दोपहर 1 से 5 बजे तक वृन्दावन के कथावाचक गौरक्षक आचार्य महेन्द्र कृष्ण शास्त्री व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को संगीतमय कथा का श्रवण कराएंगे। आयोजन के लिए मंदिर परिसर में सर्वसुविधायुक्त पांडाल बनाया गया है, जहाँ हजारों श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है। मुख्य मार्ग एवं कथा स्थल पर भव्य स्वागत द्वार और आकर्षक सजावट की गई है। सात दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में भागवत महात्म्य, ध्रुव चरित्र, नृसिंह व वामन अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, गोवर्धन पूजा, 56 भोग, रुक्मणी मंगल और सुदामा चरित्र जैसे विभिन्न प्रसंगों का वाचन किया जाएगा। 17 नवम्बर को व्यास पूजन एवं पूर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा।

सरपंच के स्वागत समारोह में डीजे बजाने को लेकर विवाद, पथराव में दो युवतियां चोटिल

भीलवाड़ा। शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के जगपुरा गांव में नवनिर्वाचित सरपंच के स्वागत समारोह के दौरान जमकर बवाल हो गया। डीजे बजाने की बात को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद गाली-गलौज और पथराव तक पहुंच गया, जिसमें समारोह में शामिल होने आईं दो युवतियां गंभीर रूप से चोटिल हो गईं। सहायक उप निरीक्षक सत्यनारायण के अनुसार बाबूलाल गुर्जर के घर नवनिर्वाचित सरपंच के स्वागत का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और डीजे बजाने को लेकर आपत्ति जताते हुए गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और असामाजिक तत्वों ने पथराव शुरू कर दिया। इस अचानक हुए पथराव में बाबूलाल गुर्जर की भानजी कोमल गुर्जर और सुमन गुर्जर के चोटें आईं। घटना को लेकर शंभूगढ़ थाने में राहुल गुर्जर, अनिल गुर्जर सहित अन्य लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस का मानना है कि इस घटना के पीछे पुरानी चुनावी रंजिश भी एक बड़ा कारण हो सकती है। मामले की जांच एएसआई रज्जाक मोहम्मद को सौंपी गई है, ताकि मुख्य आरोपियों की भूमिका स्पष्ट हो सके।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक सम्पादक मुद्रक कैलाश त्रिवेदी द्वारा लोकजीवन मीडिया एण्ड पब्लिशर्स, नागौरी गार्डन भीलवाड़ा से मुद्रित एवं 207-214 नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्प्लेक्स, भीलवाड़ा से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा ही होगा। आर.एन.आई. नं. 27201/76 पोस्टल रजि. नं. भीलवाड़ा/103/2024-2026, (मो.) 83067-92625 फोन नं. 355985, जयपुर कार्यालय : D-38, प्रधान पथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर फोन : 0141-4038281, E-mail : lokjeewan@gmail.com

आज का विचार

देर से ही सही सरकार ने नकेल कसी तो कैंसर की दवाओं की कीमतों में आये बदलाव से आम लोगों को लूट से मुक्ति मिल गई।

शिवकुमार त्रिवेदी चिंतन सरिता

दैनिक
लोकजीवन

डिजिटल प्रगति के साथ गहराता साइबर अपराध का संकट

आज का भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां तकनीकी क्रांति और डिजिटल इंडिया के सपने ने आम जनजीवन को पूरी तरह बदल दिया है। आज देश के छोटे-छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक मोबाइल और इंटरनेट जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। सरकारी योजनाओं के रि यान्वयन से लेकर बैंकिंग, खरीदारी और संवाद तक सब कुछ डिजिटल हो गया है। तकनीक ने पारदर्शिता और सुगमता के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही एक ऐसा स्याह पहलू भी सामने आया है जो आज राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। यह संकट है--साइबर ठगी और डिजिटल धोखाधड़ी का।

वर्तमान समय में देश के भीतर साइबर ठगी के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, उसने हर वर्ग के नागरिक को चिंता में डाल दिया है। कभी फर्जी लोन ऐप के जाल में फंसाकर, कभी डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर, तो कभी केवाईसी अपडेट या लॉटरी के नाम पर ठगों का यह नया गिरोह आम नागरिकों की गाढ़ी कमाई पलक झपकते ही साफ कर रहा है। हैरानी की बात यह है कि ये अपराधी अब इतने शातिर हो चुके हैं कि पढ़े-लिखे और तकनीक की समझ रखने वाले लोग भी इनके झांसे में आ जाते हैं। आए दिन समाचार पत्रों में ऐसे मामले सामने आते हैं जहां सेवानिवृत्त कर्मचारियों, गृहिणियों और युवाओं को अपनी जीवनभर की पूंजी गंवानी पड़ी है। इस गंभीर समस्या का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कई मामलों में इन संगठित अपराधों के तार अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार से जुड़े होते हैं। देश के भीतर फर्जी सिम कार्ड, फर्जी बैंक खाते और म्यूल अकाउंट्स का एक समानांतर नेटवर्क चल रहा है, जो इन अपराधियों को शरण देता है। हालांकि, केंद्रीय और राज्य स्तर की एजेंसियां, विशेषकर इंडियन साइबर र इम कोऑर्डिनेशन सेंटर लगातार कार्रवाई कर रहा है और करोड़ों रुपए की राशि को होल्ड कराने में सफलता भी मिल रही है, परंतु अपराधियों के तौर-तरीके तकनीक से भी तेज गति से बदल रहे हैं। यह स्थिति इस बात की गवाही देती है कि केवल कानून का डर या पुलिसिया कार्रवाई इस समस्या का संपूर्ण समाधान नहीं हो सकती। इसके लिए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले, वित्तीय संस्थानों और बैंकों को अपने सुरक्षा तंत्र को और अधिक चाक-चौबंद करना होगा ताकि संदिग्ध लेन-देन की पहचान तुरंत हो सके। दूरसंचार कंपनियों को भी फर्जी दस्तावेजों पर जारी होने वाले सिम कार्ड्स पर सख्ती से नकेल कसनी होगी। इसके साथ ही, सबसे बड़ी जरूरत जन-जागरूकता की है। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल स्मार्टफोन चलाना सीखना नहीं है, बल्कि सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को अपनाना भी है। नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी एजेंसी फोन पर ओटीपी या पिन नहीं मांगती है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर साइबर सुरक्षा को पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

कड़वी घूंट -सूरज

दिवाली पर नकली माल ...

व्यापारी हो कोई अन्य जो सामान्य काल में अपने उत्पादों की प्रमाणिकता पर अधिक ध्यान देता है और इसकी वजह से ग्राहकों व जनता भी उन पर पूरा भरोसा करती है। लेकिन अचानक अधिक सामग्री आपूर्ति का आर्डर मिल जाये तो वह समय पर सप्लाई करने के लिए मिलावट अथवा क्वालिटी गिरा देता है मानो थोक में खरीदने का मतलब हल्का माल लेना हो।

विपरित इसके प्रशासन स्तर पर समय-समय पर उत्पादों की क्वालिटी की जांच होती रहती है ताकि लोगों तक नकली माल पहुंचने से रोका जा सके और ऐसे माल को नष्ट किया जाता है ताकि कोर्ठ उपयोग न कर ले। त्यौहारी सीजन विशेषकर दीपा8ली पर सभी प्रकार के उत्पादों की मांग बढ़ जाती है तो मिलावट व हल्की क्वालिटी को खपाने का मौका बन जाता है।

हां दिवाली बड़ा महापर्व है। जिस कारण मांग बढ़ जाती है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने जयपुर में हिमालय डेयरी प्रोडक्ट की फैक्ट्री पर छापा मार कर 35 हजार लीटर संदिग्ध घी पकड़ा। जहां 7 ब्रांडों के नाम से घी की पैकिंग हो रही थी। और संदिग्ध फ्लेवर भी मिला। जिसका इस्तेमाल कृत्रिम सुगंध के लिए किया जाता है ताकि घी जैसी खुशबू आती है। इस नकली घी की दिवाली पर सप्लाई होनी थी। क्योंकि तेजी के दौर में कोई जांच भी नहीं करता और जल्दबाजी में सब खप जाता है अब यह आप जानो कि दीपावली पर्व नकली माल खपाने का भी मौका बन गया कि सब चल जाएगा।

गुरु ज्ञान की रोशनी से जगमगाया रामनिवास धाम, 71 व्यंजनों का अन्नकूट सजा

महाप्रभु रामचरण जी महाराज के श्री भंडार में छप्पन भोग की झांकी सजाई





शाहपुरा। दीपावली पर घर-आंगन तो रोशन हुए ही, शाहपुरा के रामनिवास धाम रामद्वारा में आस्था के दीपों ने गुरु परंपरा को भी आलोकित कर दिया। संतों की समाधि छतरियों पर दीप प्रज्ज्वलन, महाप्रभु रामचरणजी महाराज के श्रीभंडार में छप्पनभोग और 71 व्यंजनों का अन्नकूट...। दीपों की इस जगमगाहट के बीच संदेश भी साफ था- असली रोशनी केवल घरों में नहीं, गुरु ज्ञान से मन में भी होनी चाहिए। दीपोत्सव के अवसर पर महाप्रभु रामचरणजी महाराज के समाधि स्तंभजी के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित किए गए। इसके बाद बारादरी में आरती-वंदना कर विश्व कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की गई। संप्रदाय की परंपरा के अनुसार रामनिवास धाम परिसर में सभी आचार्यों और संतों की समाधि छतरियों पर भी दीप जलाए गए। रोशनी से जगमगाते समाधि स्थल गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक बने। दीपोत्सव श्रृंखला में सर्व सत्संगीजनों की ओर से आद्याचार्यश्री के श्रीभंडार में छप्पनभोग सजाया गया। कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज की अगुवाई में आयोजित अन्नकूट महोत्सव में 71 प्रकार के व्यंजनों की झांकी श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखी गई। आरती के बाद श्रद्धालुओं को आशीर्वाद और प्रसाद वितरित किया गया। महिला मंडल और सर्व सत्संगीजनों ने इस आयोजन को परंपरा के साथ जुड़ा विशेष नवाचार बताया। संत नवनिधराम महाराज ने कहा कि दीपोत्सव गुरु ज्ञान के सानिध्य में जीवन का अंधकार मिटाने का पर्व है। दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। इसी तरह गुरु ज्ञान व्यक्ति को सही राह दिखाता है। देश और समाज की समस्याओं को अज्ञान और नकारात्मकता का अंधकार मानकर उन्हें दूर करने का संकल्प लेना चाहिए।

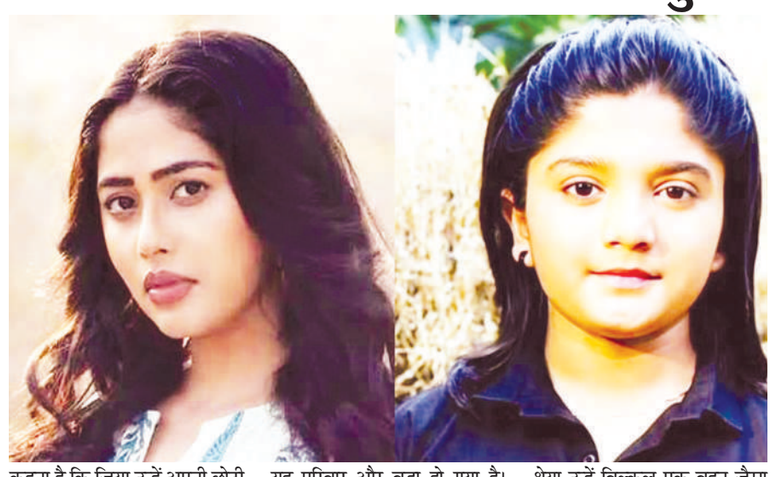
दीपावली पर्व पर मुख्य बाजारों में आयोजित हुए रंगारंग कार्यक्रम

विधायक कानावत व पालिकाध्यक्ष मोदी ने की रामा-श्यामा



बिजयनगर। दीपावली पर्व पर मुख्य बाजारों में आकर्षक रोशनी,सेल्फी पाइंट पर शहरवासियों की भारी तादाद उमड़ी । चार बत्ती चौराहे पर आर्केस्ट्रा व कमला फेक्ट्री मुख्य द्वार पर संगीतमय कार्यक्रम ने दीपावली पर्व पर नगरपालिका द्वारा की गई आकर्षक सजावट के मध्य रंगारंग कार्यक्रम में थिरकते हुए दीपावली पर्व पर आनंद उठाया। पालिकाध्यक्ष ममता मोदी, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित मोदी ने नगरपालिका कार्यालय में विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर नगरपालिका कर्मचारियों को बधाई दी। शहर के मुख्य बाजारों में क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत, पालिका अध्यक्ष ममता मोदी, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित मोदी, भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं सहित अन्य पालिका पार्षदों ने मुख्य बाजारों में व्यापारियों से दीपावली की बधाई देकर रामा श्यामा की। इसी तरह पालिका उपाध्यक्ष खूशबू लुणावत, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अंकित तातेड़, कांग्रेस नेता पीयूल लुणावत, राजकुमार लुणावत, लक्ष्मीकांत छीपा, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष प्रीतम बड़ोला, लक्ष्मीकांत छींपा सहित अन्य जनप्रतिनिधियो ने मुख्य सब्जी मंडी बाज़ार में शहर वासियों को बधाई दी। दीपावली पर्व पर मुख्य बाजारों में शहरवासियों की चहल-पहल से रौनक बनी रही।

सह-कलाकारों से भाई-बहन का रिश्ता : सोनी सब के कलाकारों ने शेयर किए सेट के अनमोल अनुभव



मुम्बई। टेलीविज़न शोज़ के सेट पर लंबे समय तक साथ काम करने वाले कलाकार अक्सर पेशेवर सीमाओं से आगे निकलकर एक मजबूत और पारिवारिक रिश्ता बना लेते हैं। व्यस्त शेड्यूल, रोजमर्रा के पलों और जीवन के उतार-चढ़ाव को साझा करते हुए ये रिश्ते कब भाई-बहन जैसे अटूट बंधन में बदल जाते हैं, इसका अहसास कलाकारों को भी नहीं होता। इस भाई दूज के अवसर पर सोनी सब के लोकप्रिय कलाकारों--मुकुल हरीश, अक्षया हिंदालकर और उर्वा सावलिया--ने अपने ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन सफर के उन अनमोल पलों को याद किया, जिन्होंने उनके सह-कलाकारों को उनके असली भाई-बहनों जैसा बना दिया है। लोकप्रिय शो पुष्पा इम्पॉसिबल में टाइगर की भूमिका निभा रहे मुकुल हरीश ने अपनी सह-कलाकार जिया (विश्वा) के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए बताया कि दोनों ने लगभग एक ही समय पर शो में एंट्री की थी। अहमदाबाद से होने के नाते उनके बीच तुरंत जुड़ाव हो गया। मुकुल उन्हें प्यार से शानी बुलाते हैं। उनका कहना है कि जिया उन्हें अपनी छोटी बहन जैसी लगती हैं और उनके साथ होने पर शूटिंग कभी भी काम जैसी महसूस नहीं होती।

इसी शो में राशि का किरदार निभा रहीं अक्षया हिंदालकर ने नितिन और समृद्ध के साथ अपने वर्षों पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने बताया कि ये सह-कलाकार उनके भाइयों की तरह हैं, जो हमेशा उनका ख्याल रखते हैं और सेट पर कभी बोरियत नहीं होने देते। हाल ही में मुकुल के जुड़ने से यह परिवार और बड़ा हो गया है। अक्षया मानती हैं कि खून के रिश्ते न होने के बावजूद सेट पर मिलने वाला यह अपनापन, प्यार और सुरक्षा का अहसास बेहद खास है।

दूसरी ओर, हस्तिनापुर के वीर में अर्जुन की भूमिका निभाने वाले उर्वा सावलिया ने अपनी सह-कलाकार श्रेया पटेल के साथ गहरी दोस्ती साझा की। शूटिंग के बाद भी दोनों घंटों बातें करते हैं और एक-दूसरे के साथ सहज रहते हैं। उर्वा का कहना है कि श्रेया उन्हें बिल्कुल एक बहन जैसा अहसास कराती हैं, जिससे उन्हें कभी भी सेट पर परिवार की कमी महसूस नहीं होती।

सोनी सब के इन कलाकारों के अनुभव यह साबित करते हैं कि प्यार और अपनापन जताने के लिए खून का रिश्ता होना जरूरी नहीं है। दर्शक इन कलाकारों के इस आपसी तालमेल और शानदार अभिनय का आनंद पुष्पा इम्पॉसिबल और हस्तिनापुर के वीर में ले सकते हैं।

कुमार सानू ने 'सा रे गा मा पा' के कंटेस्टेंट दुर्गेश यादव को दिया खास तोहफा, बोले- आज ही घर भिजवाऊंगा टीवी



मुम्बई। ज़ी टीवी का लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा 2026' अपने आगामी दिवाली स्पेशल एपिसोड में एक बेहद भावुक और यादगार पल लेकर आ रहा है। शो के दौरान उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के छोटे से कस्बे से ताल्लुक रखने वाले कंटेस्टेंट दुर्गेश यादव के लिए एक खास सरप्राइज प्लान किया गया। इस मौके पर उनके गुरु पंडित श्री गिरिजाशंकर त्रिपाठी जी भी सेट पर उपस्थित रहे, जिन्हें देखकर दुर्गेश की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लंबे समय से दुर्गेश चाहते थे कि उनके गुरु आकर उन्हें आशीर्वाद दें, और शो की टीम ने इस सपने को सच कर दिखाया। गुरु जी से बातचीत के दौरान जब जजों ने दुर्गेश के परिवार और पृष्ठभूमि के बारे में जाना, तो पता चला कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद साधारण है और घर का गुजारा खेती से चलता है। गुरु जी ने यह खुलासा भी किया कि दुर्गेश के घर में टीवी तक नहीं है, जिसके कारण उनके माता-पिता उन्हें 'सा रे गा मा पा' के मंच पर लाइव गाते हुए नहीं देख पा रहे हैं। इस बात को सुनकर जाने-माने गायक और जज कुमार सानू भावुक हो गए और उन्होंने तुरंत दुर्गेश के परिवार को एक टीवी भेंट करने का फैसला किया। कुमार सानू ने स्नेह जताते हुए कहा कि वे आज ही उनके घर टीवी भिजवाएंगे, ताकि उनके माता-पिता घर बैठकर बेटे की परफॉर्मेंस का आनंद ले सकें। यह दिवाली स्पेशल एपिसोड न केवल शानदार संगीत, बेहतरीन जुगलबंदी और त्योहार के जश्न से भरपूर होगा, बल्कि गुरु के आशीर्वाद, रिश्तों की मिठास और अपनों के प्रोत्साहन जैसी दिल को छू लेने वाली भावनाओं को भी बयां करेगा। होस्ट श्रेयस तलपड़े के साथ मस्ती भरे पलों और खास प्रस्तुतियों से सजा यह एपिसोड दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 'सा रे गा मा पा 2026' का यह विशेष प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी और ज़ी5 पर देखा जा सकता है।

एक दीया शहीदों के नाम : एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने जलाए 251 दीये



शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

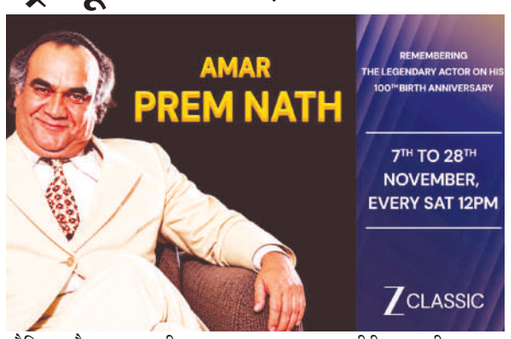
हल्द्वानी। दीपावली की पावन संध्या पर हल्द्वानी के नैनीताल रोड स्थित शहीद चंद्रशेखर मिश्रा पार्क में एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था द्वारा एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल की गई। संस्था के अध्यक्ष योगेंद्र कुमार साहू और सदस्य मनीष साहू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय सेना के अमर शहीदों के सम्मान में 251 दीये जलाए गए। संस्था के पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने पार्क में एकत्रित होकर इन दीपों को प्रज्वलित किया और देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर संस्था के मार्गदर्शक खेमराज साहू और मार्गदर्शिका मीना जोशी ने संयुक्त रूप से कहा कि भारतीय सेना के जवान अपनी जान की परवाह किए बिना दिन-रात देश और देशवासियों की रक्षा करते हैं। अत्यधिक ऊंचाई और विषम परिस्थितियों में तैनात हमारे प्रहरी दुश्मनों की हर हरकत पर पैनी नजर रखते हैं, जिसके कारण आज देशवासी अपने घरों में पूरी तरह सुरक्षित और भयमुक्त होकर सभी त्योहारों को हर्षोल्लास के साथ मना पाते हैं। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि सैनिकों का यह सर्वोच्च बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके इसी अदम्य साहस और बलिदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए संस्था हर वर्ष दीपावली की संध्या पर दीप प्रज्वलन कर शहीदों को याद करती है, जो हम सभी भारतीयों का परम कर्तव्य भी है। कार्यक्रम के दौरान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में संस्था अध्यक्ष योगेंद्र कुमार साहू, समाजसेवी हेमंत कुमार साहू, मार्गदर्शिका मीना जोशी, ललिता कपाड़ी, योगिता बनोला, सुनीता तिवारी, ममता खत्री, गिरीश चंद्र लोहानी, खेमराज साहू, मनीष साहू, कनिष्का कुमारी, नवल आर्या, संदीप यादव, सुशील राय, प्रयाग दत्त जोशी, सूरज मिस्त्री, दीपक कुमार, सूरज कुम्हार और मुकेश कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। इस आयोजन ने उपस्थित सभी लोगों के मन में देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया।

पटाखे फेंकने की घटनाओं से आग लगी डर से बैखोफ युवाओं ने की आतिशबाजी



बिजयनगर। दीपावली पर्व पर दूसरे दिन मुख्य बाजारों में पुलिस प्रशासन की रोक के बावजूद युवाओं द्वारा एक दूसरे पर पटाखे फेंकने की घटनाओं से सब्जी मंडी बालाजी मंदिर के पास बाड़े में आग लग गई। सूचना पर पालिका दमकल ने आग पर काबू पाया। इसी तरह मुख्य बाजार में छुटपुट आग लगने की घटनाएं भी हुई। पुलिस प्रशासन ने विभिन्न तंग गलियों में बेरोकेटिग लगाकर, पुलिस थानाधिकारी राजवीर सिंह ने पुलिस जाप्ता के साथ तैनात रहे। पुलिस के बैंकों डर से युवाओं ने आतिशबाजी करने से पुलिस की देर रात तक गश्त जारी रही।

प्रेमनाथ की 100वीं जयंती : ज़ी क्लासिक का खास ट्रिब्यूट 'अमर प्रेमनाथ'



मुम्बई। हिंदी सिनेमा के अमर अभिनेता प्रेमनाथ की जन्मशती के अवसर पर ज़ी क्लासिक इस नवंबर उन्हें अनोखे अंदाज में श्रद्धांजलि दे रहा है। चैनल द्वारा 'अमर प्रेमनाथ' नामक एक महीने की विशेष प्रस्तुति शुरू की गई है, जिसमें उनके बेटे मोंटी नाथ द्वारा निर्मित चार-भागीय डॉक्यू-सीरीज़ और उनकी चुनिंदा प्रतिष्ठित फिल्मों का प्रसारण किया जा रहा है। यह आयोजन हर शनिवार सुबह 11.30 बजे डॉक्यूमेंट्री और दोपहर 12 बजे फिल्म के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। अपने करियर के शुरुआती दौर में लोकप्रिय नायक से लेकर खलनायक और चरित्र भूमिकाओं तक का सफर तय करने वाले प्रेमनाथ ने भारतीय सिनेमा में एक अमिट छाप छोड़ी। उनकी अभिनय शैली के कायल रहे दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने उन्हें याद करते हुए कहा कि 'बरसात', 'रुस्तम सोहराब' और 'आन' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय बेहद मौलिक और प्रभावशाली था।

उनके बेबाक और दमदार अंदाज के आगे कई बार सह-कलाकार हीन भावना महसूस करने लगते थे, जो उनके अद्वितीय व्यक्तित्व को दर्शाता है। इस विशेष माह की शुरुआत 7 नवंबर को डॉक्यूमेंट्री के पहले भाग और फिल्म 'देश प्रेमी' के साथ हुई। इसके बाद 14 नवंबर को दूसरा भाग और 'रोटी कपड़ा और मकान' प्रसारित किए गए। अब 21 नवंबर को उनकी 100वीं जयंती के विशेष अवसर पर सीरीज का तीसरा भाग और उनकी सुपरहिट फिल्म 'बॉबी' दिखाई जाएगी। अंततः, 28 नवंबर को इस सिलसिले का समापन चौथे भाग और फिल्म 'कालीचरण' के प्रसारण के साथ होगा। यह विशेष आयोजन न केवल क्लासिक सिनेमा के पुराने प्रेमियों के लिए एक पुरानी यादों का सफर है, बल्कि नई पीढ़ी को भी इस दिग्गज कलाकार के समृद्ध फिल्मी सफर और उनकी शानदार विरासत से रूबरू होने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर संभवनाथ मंदिर में दर्शाई आकर्षक झांकियां



बिजयनगर। भगवान महावीर स्वामी के 2553 निर्वाण दिवस पर महावीर बाजार स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर विभिन्न संदेशों के साथ आकर्षक झांकियां व पटाखे न जलाने , बुराइयों मिटाने के संकल्पों व प्रतिज्ञा संदेश को लेकर छोटे बच्चों ने आकर्षक झांकियां दर्शाई। जैन संत विश्वेश्वर जी मसा के सान्निध्य में बालक बालिकाओं ने जैन संत सूरीश्वर जी मसा , जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक की आकर्षक झांकियां दर्शाई गई जिसका धर्मावलंबियों ने लाभ उठाया। बच्चों ने विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से आगंतुक दर्शकों से जीवन में उपयोगी व अनुपयोगी विहार सेना सहित उपयोगी संदेशों की झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रही।श्री संभवनाथ जैन मंदिर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष विमल कोठारी ने बताया कि दीपावली पर्व पर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर आकर्षक झांकी, बच्चों की प्रस्तुति आमजन के लिए लाभकारी रही। बच्चों में प्रस्तुति को लेकर उत्साह बना रहा। इस दौरान धर्मावलंबियों की भारी तादाद मंदिर में बनी रही।

गोवर्धन नाथ भगवान को आज लगेगा अन्नकूट का भोग

शाहपुरा। दीपावली पर्व के बाद अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर शाहपुरा स्थित गोवर्धन नाथ भगवान के मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन होगा। इसको लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। भक्तजन पूरे श्रद्धाभाव और उत्साह के साथ भगवान के लिए विभिन्न प्रकार के व्यंजन एवं प्रसाद तैयार करने में जुटे हुए हैं। मंदिर के पुजारी से मिली जानकारी के अनुसार गोवर्धन नाथ भगवान को विधिवत अन्नकूट का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा

क्रमांकः LU2012/BHL/2026-27/101065 दिनांकः 06/11/2026

लोक सूचना

श्रीमति RAJ KUMARI पत्नी श्री OMPRAKASH जाति BAIRWA निवासी 93, BAIRWA MOHALLA BAHADKHO KALAN ALWAR RAJASTHAN ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः--

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	सुवाणा, भीलवाड़ा (भीलवाड़ा)	RAJKUMARI W/O OMPRAKASH BAIRWA	3877,3878 3879, 3880	7840	0.784
				कुल	0.784

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06/11/2026को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR
Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur 302017
Admission to Ph.D. Programmes 2026-27

F.4/A-1-1/2026-27/Acad/Ph.D./02

Online Applications are invited for admission to Ph.D. programme in all the Departments/Centres for Even Semester 2026-27 (January 2027). For more information visit www.mnit.ac.in. The last date for submission of online application is 23rd November 2026.

cbc 21312/11/0004/2627 **REGISTRAR**

सोनिया गांधी की किताब में पीएम मोदी का भी जिक्र : कहा- हमारी भारत को लेकर सोच बिल्कुल अलग, कभी नहीं हुई बात

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की नई किताब मंगलवार को उपलब्ध होने जा रही है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संपर्क से लेकर कांग्रेस सरकार में आपातकाल समेत कई मुद्दों का जिक्र किया है। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की किताब की चर्चाएं हैं। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनका संपर्क बेहद कम रहा है। उन्होंने बताया है कि पीएम मोदी जब सामने मिलते हैं, तो दूसरी तरफ देखने लगते हैं। साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी नेता के सफर की तारीफ भी की है और कई मौकों पर आलोचना भी शामिल है। इस किताब में उन्होंने आपातकाल के दौर का भी जिक्र किया है। सोनिया गांधी ने लिखा, वह भारत के अपने विजन के लिए लड़ रहे थे और मैं अपने। जो वर्चस्व के खिलाफ हो, ऐसा भारत जो समावेश, धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के लिए खड़ा हो। उसमें कुछ भी व्यक्तिगत नहीं था।



मुलाकात को लेकर क्या लिखा

उन्होंने लिखा, आज तक भी। मेरा उनसे कोई वास्तविक संपर्क नहीं है। हम कभी कभी कुछ कार्यक्रमों में मिलते हैं, जैसे स्पीकर के चैंबर में। उन्होंने कहा, वह जब भी मेरे सामने आते हैं, तो हम एक दूसरे को नमस्ते कहकर अभिवादन करते हैं। यह पहले के समय से अलग है, जहां अलग-अलग पार्टियों के नेता एक आत्मीयता से मिलते थे। वह दूसरी और देखते हैं, ताकि आंख न मिलानी पड़े।

पीएम मोदी की तारीफ भी की

उन्होंने कहा, हमारे दौर के सत्ताधारी वर्ग को लेकर उनकी जो असहजता थी, उसे मैं भी अच्छी तरह समझने लगी थी। दिल्ली के किसी ड्राइंग रूम में राजनीतिक चर्चा के दौरान अक्सर मुझे भी असहजता महसूस होती थी। मुझे लगता था कि वहां जो राय रखी जा रही है, वह भारत की असलियत से बहुत दूर है। उन्होंने कहा, वह निश्चित रूप से एक साधारण पृष्ठभूमि से उठकर संघ में ताकतवर बने थे।

आपातकाल पर भी उठाए सवाल

उन्होंने आपातकाल लागू करने के फैसले को एक गलती करार दिया और कहा कि उनका मानना है कि उनकी सास एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी बाद में ऐसा ही महसूस हुआ था। यह भी लिखा है कि अगर संजय गांधी को नियंत्रण में रखा गया होता तो आपातकाल लागू होने के बाद हुए नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि कई लोग इस बात पर हंसेंगे, लेकिन मेरा मानना है कि वह आपातकाल के दौरान अपनाए गए रास्ते को लेकर कभी सहज नहीं थीं। मुझे लगता है कि यह बात उन्हें भीतर ही भीतर परेशान कर रही थी। ब्रिटिश दैनिक के अनुसार, सोनिया गांधी ने कहा कि इंदिरा गांधी का आपातकाल लगाने का फैसला एक गलती थी और उनका मानना है कि उनकी सास को भी बाद में ऐसा ही महसूस हुआ था।

परिवार में मतभेद का दावा

सोनिया गांधी के मुताबिक, आपातकाल लगाने के फैसले को लेकर परिवार में मतभेद थे। उनके पति राजीव गांधी इस फैसले के खिलाफ थे और उन्होंने अपनी मां से अगले चुनाव तक इंतजार करने को कहा था। वहीं, उनके छोटे बेटे संजय गांधी ने आपातकाल लगाने पर जोर दिया था। अखबार के अनुसार, संजय गांधी ने परिवार के साथ एक रात्रिभोज के दौरान तर्क दिया था कि विपक्ष उनकी मां को बर्बाद कर देगा और कहा था, उन्हें रोकना ही होगा। सोनिया गांधी के अनुसार, इस फैसले से परिवार के भीतर भी तनाव बढ़ गया था।

पीएम के प्रधान सचिव ने राजस्थान के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता जताई



खनिज ब्लॉकों की नीलामी और संचालन में देश भर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान रहा

जयपुर। खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश भर में खनिज ब्लॉकों की नीलामी, संचालन और खनन गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा के लिए सोमवार को उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने राजस्थान की उत्कृष्ट प्रगति की विशेष सराहना की। बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने वीसी के माध्यम से जुड़कर राज्य की उल्लेखनीय उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत किया।

सर्वाधिक ब्लॉकों की नीलामी में देश में अग्रणी-

इस दौरान बताया गया कि राजस्थान ने प्रधान खनिजों (मेजर मिनरल्स) के सर्वाधिक 140 ब्लॉकों की सफल नीलामी कर देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। खनिज संपदा से समृद्ध राजस्थान में बड़ी संख्या में ब्लॉकों की नीलामी से खनन क्षेत्र में निवेश को गति मिलने के साथ-साथ राज्य में औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसरों के सृजन का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है।

नीलाम किए गए ब्लॉकों में लक्ष्य से अधिक प्रगति-

नीलाम किए गए ब्लॉकों में से 11 ब्लॉकों में संचालन का लक्ष्य निर्धारित था, जबकि राजस्थान ने 14 ब्लॉकों में सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कर लीज डीड की कार्रवाई पूर्ण कर ली है। इस प्रकार राज्य ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक ब्लॉकों में प्रगति दर्ज की है। नवंबर माह के अंत तक इन सभी ब्लॉकों में विधिवत रूप से खनन कार्य शुरू हो जाएगा, ताकि नीलामी का लाभ धरातल पर उत्पादन के रूप में शीघ्र प्राप्त हो सके।

प्री-एम्बेडेड क्लीयरेंस में देश में प्रथम-

बैठक में रेखांकित किया गया कि देश के सभी 10 खनन राज्यों में से राजस्थान ने प्री-एम्बेडेड क्लीयरेंस वाले सर्वाधिक 8 ब्लॉक नीलाम किए हैं, जो अपने आप में कीर्तिमान है। नीलामी से पहले ही आवश्यक अनुमतियों की प्रि या आगे बढ़ा लिए जाने से सफल बोलीदाताओं को खनन कार्य शुरू करने में सुविधा मिलती है और संचालन की प्रि या अधिक सरल एवं समयबद्ध बनती है।

पारदर्शिता और संतुलित विकास पर जोर-

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने बैठक में अवगत कराया कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के पारदर्शी दोहन, पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन बनाते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि यूनिफाइड माइनिंग पोर्टल पर ब्लॉक की नीलामी और परिवेश पोर्टल पर भूमि बैंकों का समयबद्ध डिजिटलीकरण एवं डेटा अपलोड सुनिश्चित किया गया है। इससे संबंधित जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म उपलब्ध होने से प्रि याओं में पारदर्शिता और गति दोनों बढ़ी हैं। पीएमओ के प्रधान सचिव द्वारा राजस्थान के इन प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना किए जाने से राज्य के प्रशासनिक तंत्र और खनन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों का उत्साहवर्धन हुआ है। बैठक में आगे भी इसी गति से कार्य करते हुए राज्य को खनन क्षेत्र में अग्रणी बनाए रखने का संकल्प दोहराया गया।

उल्लेखनीय है कि यह उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा देश भर में खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी, उनके त्वरित संचालन, उत्पादन और खनिज संपदा के सुगम दोहन की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी। इस महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक में राजस्थान सहित देश के 10 प्रमुख खनन राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ-साथ भारत सरकार के माइनिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े, जिन्होंने राज्यों में खनिज परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और आबंटित ब्लॉकों से जुड़े विभिन्न वैधानिक विषयों पर गहन मंथन किया।



भोले की देखा-देखी

भोले का साथ मिला मुझको,
मैंने पल-पल साथ निभाया,
भोले जब-जब मुस्काए तो,
मैंने उनका साथ निभाया।
भोले का साथ ...
एक चाल चली जब भोले नें,
पल में पर्वत को लांघ लिया,
हम कहां ठहरने वाले थे,
भोले संग खुद को बांध लिया।
भोले का साथ ....
भोले जब नयन को बंद करें,
मैं साथ में उनके होता था,
भोले की देखा-देखी मैं,
खुद अपनी राह बनाता था।
भोले का साथ ....
जब नयन खोलते भोले तो,
मै थोड़ा-थोड़ा डर जाता,
भोले जब कांधा सहलाते,
तो आंख से आंसू झर जाता।
भोले का साथ .....
भोले भक्ति का रंग चढ़ा,
भोले ने मुझको अपनाया,
भोले का साथ मिला मुझको,
मैं राम-राम कह मुस्काया।
भोले का साथ ...
(291/349 वां मनका)

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी 'राम'
इन्दौर

प्रदेश में नवंबर में भी गर्मी का सितम

लगातार दूसरे दिन 38 डिग्री के पार पहुंचा पारा

जयपुर। राजस्थान में नवंबर का महीना चल रहा है, लेकिन मौसम के तेवर देखकर सर्दी का अहसास नहीं हो रहा। दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। हालात ये हैं कि प्रदेश में लगातार दूसरे दिन अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। बाड़मेर में पारा सामान्य से 5 डिग्री ऊपर पहुंच गया। खास बात यह है कि अब केवल दिन ही नहीं, बल्कि रातें भी गर्म होने लगी हैं। कई शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। ऐसे में नवंबर के दूसरे सप्ताह में भी लोगों को तेज सर्दी का इंतजार करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने के आसार नहीं हैं। अगले एक सप्ताह तक आसमान साफ रहेगा और दिन में धूप खिली रहेगी। इस दौरान कुछ शहरों में अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी भी हो सकती है।

दिन के तापमान में बढ़ोतरी के साथ अब रात में भी ठंडक कम होने लगी है। प्रदेश में उत्तरी हवाओं के कमजोर पड़ने का असर दिखाई दे रहा है। इसके कारण रात के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है और कई शहरों



में सर्दी का असर कमजोर पड़ गया है। जिन शहरों में नवंबर के शुरुआती दिनों में रात के समय ठंडक महसूस होने लगी थी, वहां अब तापमान बढ़ने से सर्दी का असर कम हो गया है। सोमवार को प्रदेश में सबसे ठंडी रात माउंट आबू में रही। यहां न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, यह तापमान भी माउंट आबू के सामान्य न्यूनतम तापमान से करीब 4 डिग्री ज्यादा रहा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश के हिल स्टेशन पर भी इस बार नवंबर में अपेक्षाकृत कम ठंड पड़ रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ रहने की संभावना है। इस दौरान आसमान में बादल छाने या मौसम में किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं हैं। दिनभर धूप खिली रहेगी और कुछ शहरों में अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के इस अनुमान के मुताबिक, फिलहाल प्रदेश में दिन और रात के तापमान में इसी तरह उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। दिन में गर्मी का अहसास होगा, जबकि रात में भी पहले जैसी ठंडक महसूस नहीं होगी। कुल मिलाकर राजस्थान में नवंबर के दूसरे सप्ताह में भी मौसम सर्दी के बजाय गर्मी का अहसास करा रहा है। अब लोगों को तेज सर्दी शुरू होने का इंतजार है, लेकिन फिलहाल मौसम विभाग के पूर्वानुमान में अगले सात दिनों तक इसके कोई खास संकेत नहीं मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दीपावली पर आमजन के बीच पहुंचकर दी शुभकामनाएं

सांगानेरी गेट से न्यू गेट तक पैदल घूमकर देखी बाजार की सजावट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली के अवसर पर रविवार को रात्रि में सपरिवार जयपुर के परकोटा पहुंचकर आमजन से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चों, महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। रास्ते में जगह-जगह पर आमजन ने हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता के साथ बच्चों को दुलार कर चॉकलेट दी, युवाओं से हाथ मिलाया तथा सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के आमजन के बीच रहकर उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने सांगानेरी गेट से बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया होते हुए न्यू गेट तक आमजन के साथ पैदल घूमकर बाजार की सजावट को देखा। इस दौरान जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी, पार्षद पुनीत कर्नावट सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।



दीपावली की परंपरा : ठिखरे पर गांवों में गूंजी 'हिड ढोलज्यो, तेल गालज्यो' की आवाज





गोवर्धन पूजा पर महिलाओं ने की पूजा-अर्चना, सुख-समृद्धि की कामना

अरवड़। गांवों में आज भी वर्षों से चली आ रही परंपराओं का उत्साह के साथ निर्वहन किया जा रहा है। दीपावली के तीसरे दिन मंगलवार को ठिखरे के अवसर पर सुबह से ही बच्चों की टोलियां हाथों में हिड़ लेकर गांव में घर-घर पहुंचीं। इस दौरान बच्चे 'हि? ढोलज्यो, तेल गालज्यो' के पारंपरिक बोल लगाते हुए नजर आए। बच्चों की टोलियों के गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए पैसे, गेहूं, मक्का व धान भेंट किए। इसके बाद बच्चे एकत्रित किए गए गेहूं व मक्का को किराना दुकानों पर बेचकर पैसे प्राप्त करते हैं और आपस में बांटकर खुशी मनाते हैं। ग्रामीण अंचल में दीपावली के अवसर पर निभाई जाने वाली यह परंपरा आज भी लोक संस्कृति, आपसी प्रेम और सामूहिक उल्लास का प्रतीक बनी हुई है।

कस्बे सहित क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में मंगलवार को गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और परंपरा के साथ मनाया गया। सुबह महिलाओं ने अपने घरों के मुख्य द्वार के बाहर गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धन स्वरूप की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने घर-परिवार में सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। इस दौरान महिलाओं ने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। गोवर्धन पूजा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह और धार्मिक उल्लास का माहौल रहा।

गोवर्धन पूजा

चिटकी उँगली पर धरे, गोवर्धन गिरिराज।
कान्हा ने लीला रची, रखी भक्तों की लाज।।
इंद्रदेव के क्रोध में, वृष्टि मूसलाधार
त्राहि त्राहि ब्रज में मची,गरजे मेघ अपार।
इंद्र कोप को हर लिया, तोड़ दिया अभिमान।
गिरिधर बन कर कृष्ण ने, किया गोकुल कल्याण।।
गौ पर्वत उपवन धरा, प्रकृति का उपहार।
कण-कण में गोविंद हैं, महिमा अपरंपार।।
अन्नकूट की थाल में, सुस्वादु छप्पन भोग।
भक्ति प्रेम मधुर रस का, अनुपम है संयोग।।
राधे-कृष्ण कृपा रहे, महके घर-परिवार।
गोवर्धन तलहटी में, हो समृद्ध संसार।।

मधु भूतड़ा अक्षरा, जयपुर

भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व भाईदूज



भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के माध्यम भी हैं। ऐसा ही एक पावन पर्व है भाई दूज, जिसे यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास, आत्मीयता और एक-दूसरे के प्रति समर्पण का प्रतीक है। भाई दूज का पर्व दीपावली के दो दिन बाद कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को घर आमंत्रित करती हैं। उनके माथे पर रोली, चंदन और अक्षत से तिलक लगाकर आरती उतारती हैं तथा उनके सुखी, स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं। भाई भी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा, सम्मान और सहयोग का संकल्प लेते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, सूर्यदेव और उनकी प%ी संज्ञा की संतान यमराज तथा यमुना थे। यमुना अपने भाई यमराज से मिलने के लिए सदैव उत्सुक रहती थीं। एक बार कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमराज अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे। बहन ने उनका आदर-सत्कार किया, तिलक लगाया और भोजन कराया। बहन के स्नेह से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। यमुना ने वरदान मांगा कि इस दिन जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उससे तिलक करवाएगा, उसे अकाल मृत्यु का भय न रहे। तभी से यह पर्व यम द्वितीया के रूप में मनाया जाने लगा। इस पर्व का महत्व केवल धार्मिक परंपराओं तक सीमित नहीं है। यह भाई-बहन के रिश्ते में मौजूद भावनात्मक जुड़ाव को अभिव्यक्त करने का अवसर भी है। बदलते समय और एकल परिवारों की बढ़ती संख्या के बीच ऐसे त्योहार पारिवारिक रिश्तों को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज आवश्यकता है कि भाई दूज को केवल तिलक, मिठाई और उपहारों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि बहनों के सम्मान, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों के प्रति भी भाई अपनी जिम्मेदारी समझें। यही इस पर्व की वास्तविक सार्थकता है। भाई दूज हमें संदेश देता है कि रिश्तों की मिठास धन-दौलत या उपहारों से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, त्याग और सम्मान से बनी रहती है। यही भारतीय पारिवारिक संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है।

- सुनील कुमार वाजपेयी

भाई दूज की पूजन विधि एवं परंपरा

भाई दूज के दिन प्रातःकाल बहनें स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। घर के पूजा स्थल पर भगवान गणेश, विष्णु अथवा अपने इष्टदेव का स्मरण कर भाई की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं। इसके बाद भाई को आदरपूर्वक आसन पर बैठाया जाता है। पूजन की थाली में रोली, अक्षत, चंदन, दीपक, मिठाई, फूल और नारियल आदि रखे जाते हैं। बहन भाई के माथे पर रोली और अक्षत से तिलक लगाती है, उसकी आरती उतारती है तथा मिठाई खिलाती है। इसके बाद भाई की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन के लिए प्रार्थना करती है। भाई अपनी बहन को उपहार, वस्त्र या सामर्थ्य के अनुसार भेंट देकर उसके सुख-दुख में साथ निभाने का संकल्प लेता है। इस दिन भाई का बहन के घर जाकर भोजन करना विशेष शुभ माना जाता है। कई स्थानों पर बहनें भाई को अपने हाथों से भोजन कराती हैं। कुछ क्षेत्रों में यमुना स्नान और यमराज की पूजा की भी परंपरा है। मान्यता है कि इस दिन यमुना में स्नान करने और भाई-बहन के स्नेहपूर्ण मिलन से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। भाई दूज का तिलक केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और पारिवारिक एकता का प्रतीक है।

दीपोत्सव की खुशियां पड़ी भारी: अनियंत्रित खानपान और मिठाइयों से बिगड़ी सेहत

एमजीएच की ओपीडी में उमड़े मरीज, एसिडिटी, उल्टी-दस्त के मरीज बढ़े

भीलवाड़ा। दीपावली बीतने के साथ ही शहरवासियों की सेहत पर फेस्टिव सीजन के साइड इफेक्ट्स साफ दिखने लगे हैं। त्योहार के इन दिनों में लगातार अनियंत्रित खानपान, जमकर खाई गई मिलावटी व भारी मिठाइयों और तली-भुनी चीजों ने लोगों के शरीर के मेटाबॉलिज्म को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्थिति यह है कि शहर के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय की ओपीडी में मंगलवार को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर पहुंचने वाले मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। त्योहारों के दौरान पकवानों और मिष्ठान के अत्यधिक सेवन का असर अब लोगों के शरीर पर बीमारियों के रूप में टूटने लगा है। डॉ. आशीष शर्मा का कहना है कि त्योहारों की यह मिठास अब तमाम लोगों के लिए ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के रूप में भारी पड़ने लगी है। ओपीडी में आने वाले अधिकांश



मरीज पेट से जुड़ी गंभीर समस्याएं जैसे अपच, एसिडिटी, उल्टी-दस्त, फूड पॉइजनिंग और अत्यधिक तेल-मसाले के कारण आंतों के सक्रंमण से पीड़ित पाए जा रहे हैं। इसके अलावा, पुराने मरीजों विशेषकर डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों की रिपोर्ट में भी शुगर लेवल अचानक बढ़ा हुआ मिला है।

युवाओं और बुजुर्गों दोनों पर असर

चिकित्सक के अनुसार, इस बार अस्पताल पहुंचने वालों में केवल बुजुर्ग ही नहीं, बल्कि युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल है। लगातार कई दिनों तक अनियंत्रित डाइट, देर रात तक जागना और बाहर की तली-भुनी चीजों का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता और पाचन तंत्र दोनों लड़खड़ा गए हैं। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि यदि लोग अब भी अपने खानपान पर नियंत्रण नहीं रखते हैं, तो यह छोटी-सी लापरवाही गंभीर बीमारियों का रूप ले सकती है।

डॉक्टरों की विशेष सलाह

डॉक्टरों का सुझाव है कि मिर्च-मसाले और अत्यधिक मीठी चीजों से पूरी तरह परहेज करें तथा घर का बना ताज़ा और हल्का भोजन लें। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने के लिए भरपूर मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ और नारियल पानी का सेवन करें।फेस्टिव सीजन की सुस्ती को दूर करने के लिए सुबह की सैर और हल्के योगासन को अपनी दिनचर्या में पुनः शामिल करें।

लापरवाही बिल्कुल न बरतें : यदि सीने में भारीपन, लगातार चक्कर आना, या पेट की गंभीर समस्या महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें और अपनी ब्लड शुगर तथा ब्लड प्रेशर की जांच कराएं। त्योहार खुशियों का प्रतीक है, लेकिन सेहत दुरुस्त रहेगी तभी उत्सव का असली आनंद कायम रह सकेगा। डॉक्टरों की यह चेतावनी शहरवासियों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अब खानपान में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

